अध्याय – 12

मानव संसाधन

पर्यावरण में उपलब्ध वे सभी वस्तुएं जो हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रयुक्त होती हैं संसाधन कहलाती हैं। मानव अपनी बुद्धि और प्रौद्योगिकी से किसी भी वस्तु को अधिक मूल्यवान संसाधन में परिवर्तित करने में सक्षम है। मानव न सिर्फ नए नए संसाधनों का रचियता है बल्कि वह स्वयं भी एक महत्वपूर्ण संसाधन है।

मानव संसाधन –

मनुष्य स्वयं एक संसाधन है। मनुष्य को मानव संसाधन, उनकी संख्या तथा शारीरिक तथा मानसिक शक्ति बनाती है। मनुष्य में शारीरिक तथा मानसिक शक्ति का विकास शिक्षा, तकनीक, स्वास्थ्य तथा कौशल की सहायता से होता है। इनकी सहायता से ही मनुष्य नई वस्तुओं का निर्माण करने योग्य बनता है।

मानव संसाधन वह अवधारणा है जो जनसंख्या को अर्थव्यवस्था पर दायित्व से अधिक परिसंपत्ति के रूप में देखती है। मानव जनसंख्या को जब शिक्षा, प्रशिक्षण, चिकित्सा व अन्य सेवाओं में निवेश किया जाता है तो इस निवेश के परिणामस्वरूप मानव जनसंख्या मानव संसाधन के रूप में परिवर्तित हो जाती है।

क्या आप मानव रहित विश्व की कल्पना कर सकते हैं? प्रकृति में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग व सामाजिक तथा सांस्कृतिक वातावरण का निर्माण मानव ही करता है। समाज तथा अर्थव्यवस्था के विकास में मानव का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। मानव संसाधनों का निर्माण एवं उपयोग तो करते ही है, वे स्वयं भी विभिन्न गुणों वाले संसाधन होते है। कोयला एक चट्टान का टुकड़ा ही था तब जक कि मानव ने उसे प्राप्त करने की तकनीक का आविष्कार कर उसे संसाधन नहीं बनाया।

संसाधन के रूप में लोग वर्तमान उत्पादन, कौशल उत्पादन के संदर्भ में किसी देश के कार्यरत लोगों का वर्णन करने का एक तरीका है। उत्पादक पहलू की दृष्टि से जनसंख्या पर विचार करना राष्ट्रीय सकल उत्पादन के सृजन में उनके योगदान की क्षमता पर बल देता है। दूसरे संसाधनों की भाँति ही जनसंख्या भी एक संसाधन है। ''संसाधन'' विशाल जनसंख्या का एक सकारात्मक पहलू है।

जनसंख्या –

जनसंख्या से तात्पर्य किसी निश्चत स्थान में एक निश्चित समय में रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या से होता है। सामाजिक अध्ययन में जनसंख्या आधारी तत्व है। यह एक संदर्भ बिन्दु है जिसके द्वारा दूसरे तत्त्वों का अवलोकन किया जाता है तथा उसके अर्थ एवं महत्व ज्ञात किये जाते हैं। 'संसाधन' 'आपदा' एवं 'विनाश' का अर्थ केवल मानव के लिए ही महत्वपूर्ण है। उनकी संख्या, वृद्धि, वितरण एवं विशेषताएँ या गुण पर्यावरण के सभी स्वरूपों को समझने तथा उनकी विवेचना करने के लिए मूल पृष्ठभूमि प्रदान करते हैं। मानव पृथ्वी के संसाधनों का उत्पादन एवं उपयोग करता है। अतः यह जानकारी आवश्यक है कि किस देश में कितने लोग निवास करते हैं? वे कहाँ एवं कैसे रहते हैं? उनकी संख्याओं में वृद्धि क्यों हो रही है तथा उनकी कौन–कौनसी विशेषताएँ हैं?

भारतीय जनगणना हमारे देश की जनसंख्या से संबंधित जानकारी हमें प्रदान करती है। जनसंख्या की परिभाषा में तीन प्रमुख बिन्दुओं पर विचार करते है :

1. जनसंख्या का आकार, वितरण एवं घनत्व : व्यक्तियों की कुल संख्या अर्थात पुरूष, महिला एवं बच्चे तथा किसी निश्चित स्थान पर कितने व्यक्ति निवास करते हैं।
2. जनसंख्या वृद्धि एवं जनसंख्या परिवर्तन : किसी स्थान पर जनसंख्या में निश्चित समय अवधि में जनसंख्या में वृद्धि तथा उसमें परिवर्तन व उसका कारण।
3. जनसंख्या के गुण एवं विशेषताएँ – व्यक्तियों की उम्र, लिंगानुपात अर्थात पुरूषों व महिलाओं की संख्या का अनुपात, उनका साक्षरता स्तर, व्यावसायिक संरचना एवं स्वास्थ्य की अवस्था इत्यादि।

जनसंख्या का आकार एवं वितरण –

भारत की जनसंख्या का आकार बहुत बड़ा है। विश्व में चीन के बाद दूसरे स्थान पर है तथा तीसरे चौथे व पाँचवे स्थान पर क्रमशः संयुक्त राज्य अमेरिका, इंडोनेशिया एवं ब्राजील है।

2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 1,21,01,93,422 थी जो कि विश्व की कुल जनसंख्या का 17.3 प्रतिशत लगभग था। यह जनसंख्या भारत के 32.8 लाख वर्ग किमी (विश्व के स्थलीय भू–भाग का 2.4 प्रतिशत) के विशाल क्षेत्र में असमान रूप से वितरित है।

क्र. सं.	देश	आधार तिथि	जनसंख्या (करोड़ में)	दशकीय वृद्धि (प्रतिशत में)
1.	चीन	01.11.2010	1,34.10	5.43
2.	भारत	01.03.2011	1,21.02	17.64
3.	संयुक्त राज्य अमेरिका	01.04.2010	30.87	7.26
4.	इण्डोनेशिया	31.05.2010	23.76	15.05
5.	ब्राजील	01.08.2010	19.07	9.39
6.	पाकिस्तान	01.07.2010	18.48	24.78
7.	बांग्लादेश	01.07.2010	16.44	16.76
8.	नाइजीरिया	01.07.2010	15.83	26.84
9.	रूसी गणराज्य	01.07.2010	14.04	–4.29
10.	जापान	01.10.2010	12.81	1.1
	अन्य देश	01.07.2010	284.47	15.43
	विश्व	01.07.2010	690.87	12.97

* स्रोत – www.censusindia.gov.in

तालिका 12.1 : विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश

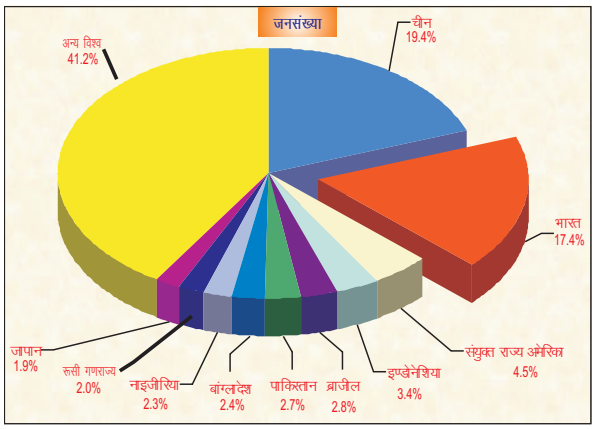

चित्र 12.1 : विश्व की जनसंख्या में भारत का भाग

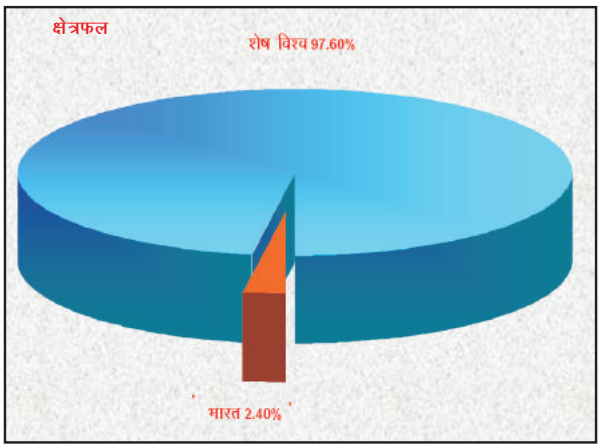

चित्र 12.2 : विश्व के क्षेत्रफल में भारत का भाग

2011 की जनगणना के अनुसार देश की सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है जिसकी कुल जनसंख्या 19,95,81,477 है। उत्तरप्रदेश में देश की कुल जनसंख्या का 16.49 प्रतिशत भाग निवास करता है इसके विपरीत हिमालय क्षेत्र के राज्य सिक्किम की जनसंख्या केवल 6,07,688 है जो देश की कुल जनसंख्या का 0.05 प्रतिशत भाग है। लक्षद्वीप में केवल 64,429 लोग निवास करते है।

भारत की लगभग आधी जनसंख्या केवल पाँच राज्यों उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल एवं आंध्र प्रदेश में निवास करती है। जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का भारत में आठवाँ स्थान है तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान सबसे बड़ा राज्य है।

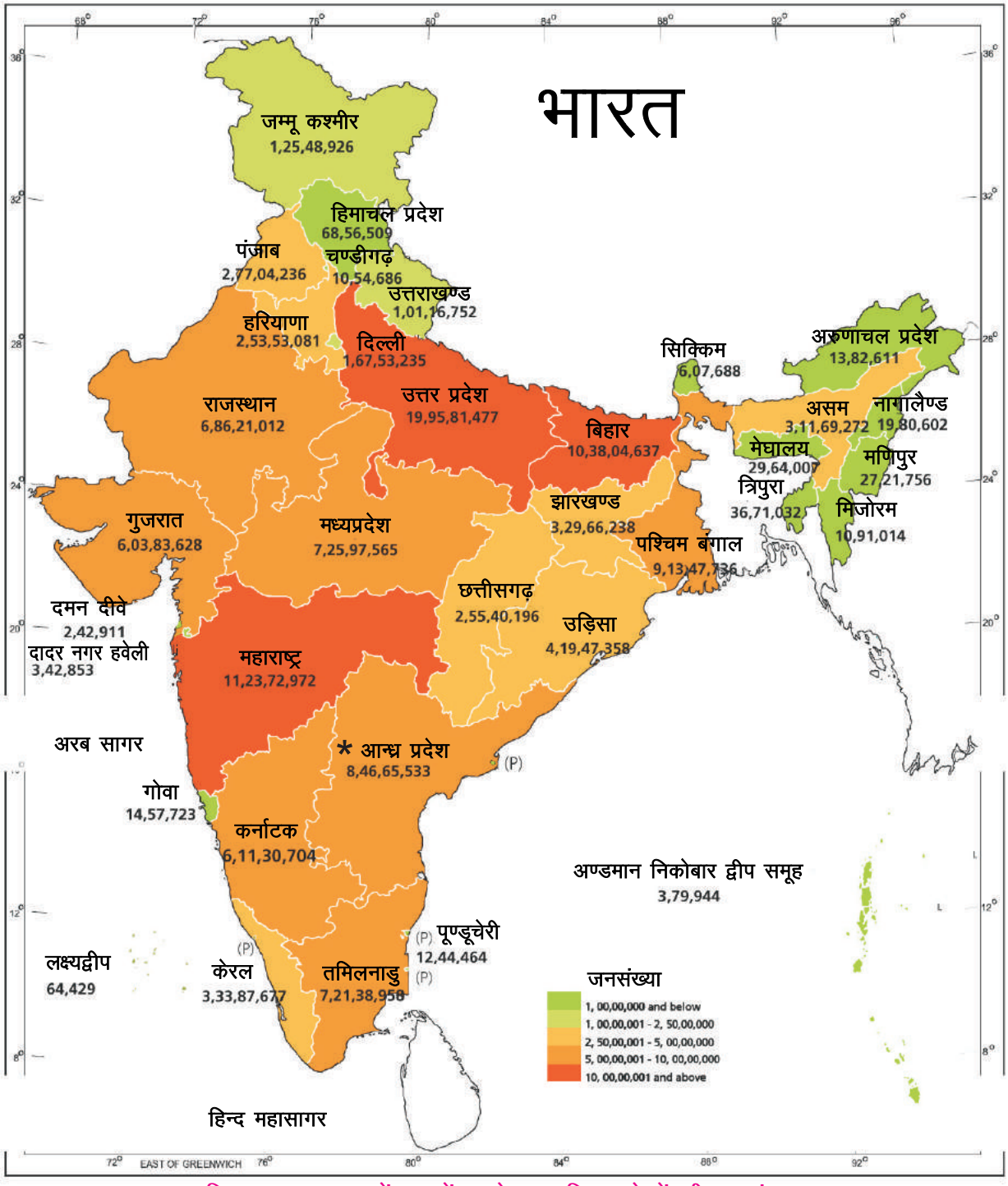

चित्र 12.3 : 2011 में राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की जनसंख्या

*तेलंगाना की स्थापना 2 जून 2014 में होने के कारण जनसंख्या आंध्रप्रदेश के साथ ही सम्मिलित है।

राज्य मे स्थान 2011	जिला	जनसंख्या 2011	जनसंख्या 2001	राज्य में स्थान 2001
1.	जयपुर	6663971	5251071	1
2.	जोधपुर	3685681	2886505	3
3.	अलवर	3671999	2991552	2
4.	नागौर	3309234	2775058	4
5.	उदयपुर	3067549	2481201	5
6.	सीकर	2677737	2287788	6
7.	बाड़मेर	2604453	1964835	10
8.	अजमेर	2584913	2178447	7
9.	भरतपुर	2549121	2100020	8
10.	भीलवाड़ा	2410459	2020969	9
11.	बीकानेर	2367745	1902110	12
12.	झुंझुंनू	2139658	1913689	11
13.	चूरू	2041172	1696039	15
14.	पाली	2038533	1820251	13
15.	गंगानगर	1969520	1789423	14
16.	कोटा	1950491	1568705	16
17.	जालोर	1830151	1448940	18
18.	बांसवाड़ा	1798194	1420601	19
19.	हनुमानगढ़	1779650	1518005	17
20.	दौसा	1637226	1323002	21
21.	चित्तौड़गढ़	1544392	1330360	20
22.	करौली	1458459	1205888	23
23.	टोंक	1421711	1211671	22
24.	झालावाड़	1411327	1180323	24
25.	डूंगरपुर	1388906	1107643	26
26.	सवाईमाधोपुर	1338114	1117057	25
27	बारां	1223921	1021473	27
28	धौलपुर	1207293	983258	28
29.	राजसमंद	1158283	982523	29
30.	बूँदी	1113725	962620	30
31.	सिरोही	1037185	851107	31
32.	प्रतापगढ़*	868231	706807	32
33.	जैसलमेर	672008	508247	33

* नवनिर्मित ज़िले

तालिका 12.2 : वर्ष 2001 व 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य के जिलों की कुल जनसंख्या व राज्य में उनका स्थान

2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की जनसंख्या 6,86,21,012 है जो देश की कुल जनसंख्या का 5. 67 प्रतिशत भाग है तथा यह 3.42 लाख वर्ग किमी क्षेत्र पर असमान रूप से वितरित है। राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला जयपुर है जिसकी जनसंख्या 66,63,971 तथा सबसे कम जनसंख्या वाला जिला जैसलमेर है जिसकी कुल जनसंख्या 6,72,008 है।

जनसंख्या वृद्धि –

जनसंख्या वृद्धि का अर्थ होता है किसी विशेष समयान्तराल में (जैसे दस वर्षों में) किसी देश/राज्य/स्थान के निवासियों की संख्या में परिवर्तन। इस प्रकार के परिवर्तन को दो प्रकार से व्यक्त किया जा सकता है– पहला सापेक्ष वृद्धि तथा दूसरा–प्रतिवर्ष या प्रति दस वर्ष में होने वाले प्रतिशत परिवर्तन के द्वारा।

किसी स्थान की जनंसख्या में वृद्धि या कमी जन्म और मृत्यु के अन्तर एवं प्रवसन के कारण होती है।

प्रत्येक वर्ष या एक दशक में बढ़ी जनसंख्या कुल जनसंख्या में वृद्धि का परिणाम है। पहले की जनसंख्या (जैसे 2001 की जनसंख्या) को बाद की जनसंख्या (जैसे 2011 की जनसंख्या) से घटाकर इसे प्राप्त किया जाता हैं। इसे निरपेक्ष वृद्धि कहते हैं। किसी वर्ष की मूल जनसंख्या में प्रत्येक 100 व्यक्तियों पर हुई व्यक्तियों की वृद्धि जनसंख्या वृद्धि दर कहलाती है अर्थात यदि किसी स्थान या देश की वार्षिक मूल जनसंख्या में प्रत्येक 100 व्यक्तियों पर यदि 4 व्यक्तियों की वृद्धि होती है तो प्रतिवर्ष जनसंख्या वृद्धि दर 4 प्रतिशत होगी।

वर्ष	कुल जनसंख्या मिलियन (दस लाख में)	एक दशक में सापेक्ष मिलियन वृद्धि (दस लाख में)	वार्षिक वृद्धि दर प्रतिशत
1951	361.0	42.43	1.25
1961	439.2	78.15	1.96
1971	548.2	108.92	2.20
1981	683.3	135.17	2.22
1991	846.4	163.09	2.16
2001	1028.7	182.32	1.97
2011	1,21,0.1	131.45	1.64

तालिका 12.3 : भारत की जनसंख्या की वृद्धि का परिमाण एवं दर

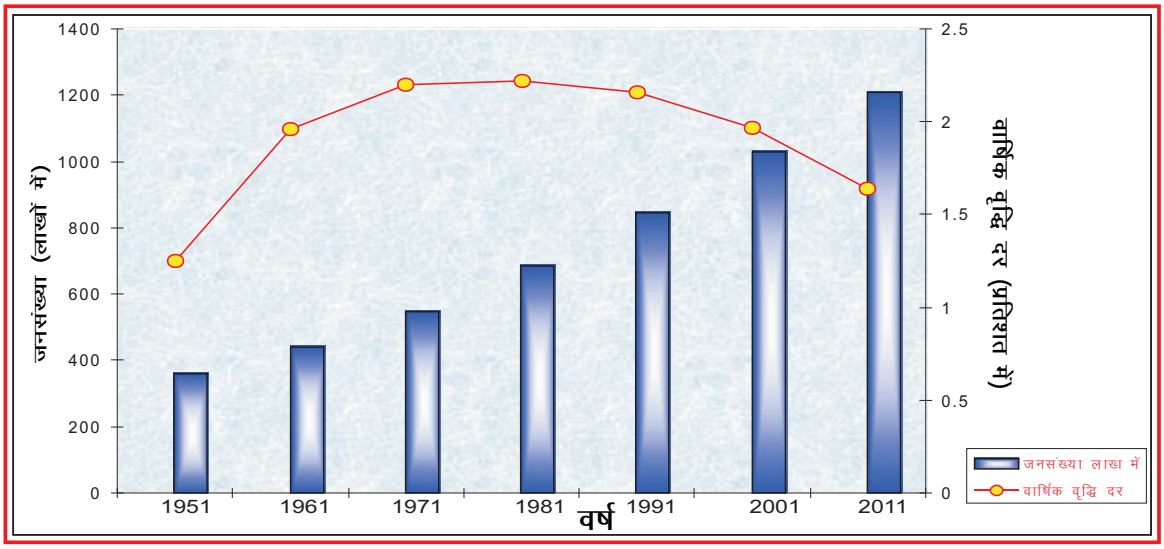

चित्र 12.5 : भारत – कुल जनसंख्या एवं जनसंख्या वृद्धि दर 1951 से 2011

भारत की जनसंख्या 1951 में 3,610 मिलियन से बढ़कर 2011 में 1210.19 मिलियन हो गई है।

सारणी एवं चित्र यह प्रदर्शित करता है कि 1951 से 1981 तक जनसंख्या की वृद्धि दर नियमित रूप से बढ़ रही थी जो 1951 में 3,610 मिलियन से 1981 में 6,830 मिलियन हो गई। ये जनसंख्या में तीव्र वृद्धि की व्याख्या करता है। परन्तु 1981 में वृद्धि दर धीरे–धीरे कम होने लगी। इस दौरान जन्म दर में तेजी से कमी आई।

राजस्थान में भी जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य की जनसंख्या की दशकीय (दस वर्षों के अन्तराल में) वृद्धि दर 1981 में 32.97 प्रतिशत थी। हालाँकि बाद की जनगणनाओं में जनसंख्या वृद्धि दर कम हुई है। जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर कुछ कम होकर 2001 में 28.41 प्रतिशत तथा 2011 में 21. 44 प्रतिशत रही। इसके बावजूद भी यह भारत की 2011 की दशकीय वृद्धि दर 17.64 से बहुत अधिक है। राजस्थान में 2001–2011 के दशक में जनसंख्या वृद्धि दर में बाड़मेर जिले में 32.55 प्रतिशत सबसे अधिक व गंगानगर जिले में 10.06 प्रतिशत सबसे कम रही।

इस बात पर ध्यान देना अत्यन्त आवश्यक है कि भारत की जनसंख्या बहुत अधिक है। भारत की वर्तमान जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि 122 लाख है जो कि संसाधनों एवं पर्यावरण के संरक्षण को निष्क्रिय करने के लिये पर्याप्त है।

वृद्धि दर में कमी जन्म दर को नियन्त्रित करने के लिये किये गये प्रयासों की सफलता को प्रदर्शित करता है। इसके उपरान्त भी जनसंख्या वृद्धि जारी है तथा 2045 तक भारत चीन को पीछे छोड़ते हुये विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन सकता है।

जनसंख्या वृद्धि के कारण :–

जनसंख्या में होने वाली वृद्धि या परिवर्तन के तीन प्रमुख घटक जन्म दर, मृत्यु दर एवं प्रवास हैं। जन्म दर एवं मृत्यु दर के बीच का अंतर जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि है।

एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों में जितने जीवित बच्चों का जन्म होता है उसे जन्म दर कहते हैं। यह वृद्धि एक प्रमुख घटक है क्योंकि भारत में हमेशा जन्म दर, मृत्यु दर से अधिक रही है।

एक वर्ष में प्रति हजार व्यक्तियों में मरने वालों की संख्या को मृत्यु दर कहा जाता है। मृत्यु दर में तेज गिरावट भारत की जनसंख्या वृद्धि दर का प्रमुख कारण है।

1980 तक उच्च जन्म दर एवं मृत्यु दर में लगातार गिरावट के कारण जन्म दर तथा मृत्यु दर में बहुत अधिक अंतर आ गया एवं इसी कारण जनसंख्या वृद्धि दर अधिक हो गई। 1981 से धीरे–धीरे जन्म दर में भी गिरावट प्रारम्भ हो गई जिसके परिणाम स्वरूप जनसंख्या वृद्धि दर में भी गिरावट आई।

जनसंख्या वृद्धि का तीसरा घटक है प्रवास। व्यक्तियों का एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में चले जाने को प्रवास कहते हैं। प्रवास आंतरिक (देश के भीतर) या अन्तर्राष्ट्रीय (देशों के बीच) हो सकता है। आंतरिक प्रवास देश जनसंख्या के आकार में

* 1 मिलियन = 10 लाख

कोई परिवर्तन नहीं लाता है लेकिन यह एक देश के भीतर जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करता है। जनसंख्या वितरण एवं उसके घटकों को परिवर्तित करने में प्रवास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

भारत में अंतराराज्यीय सर्वाधिक प्रवास ग्रामीण से ग्रामीण क्षेत्रों में होता है क्योंकि शादी के बाद महिलाऐं प्रवासित होती हैं। दूसरे नंबर पर प्रवास ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों की ओर होता है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में अपकर्षण कारक प्रभावी होते हैं। ये ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी एवं बेरोजगारी की प्रतिकूल अवस्थायें हैं तथा नगर का आकर्षण प्रभाव रोजगार में वृद्धि एवं अच्छे जीवन स्तर को दर्शाता है।

जनसंख्या घनत्व :–

जनसंख्या घनत्व असमान वितरण का चित्रण करता है। प्रति इकाई क्षेत्रफल में रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

2011 में भारत का जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था जहाँ राज्यों में बिहार का जनसंख्या घनत्व 1102 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. सर्वाधिक तथा अरुणाचल प्रदेश में 17 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. सबसे कम है।

जनगणना वर्ष	घनत्व प्रति वर्ग कि.मी.)	वास्तविक वृद्धि	प्रतिशत वृद्धि
1901	77	–	–
1911	82	5	6.5
1921	81	–1	–1.2
1931	90	9	11.1
1941	103	13	14.4
1951	117	14	13.6
1961	142	25	21.4
1971	177[1]	35	24.6
1981	216[2]	39	22
1991	267[2]	51	23.6
2001	325[2]	58	21.7
2011	382[2]	57	17.5

तालिका 12.4 : भारत–जनसंख्य घनत्व 1901–2011

राजस्थान का जनसंख्या घनत्व 2011 में 201 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी है। इसमें 2001 में जनसंख्या घनत्व 165 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. की तुलना में 36 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी की वृद्धि हुई है। तालिका 12.6 राज्यस्तरीय जनसंख्या घनत्व के असमान वितरण को दर्शाती है।

राज्य में स्थान 2011	राज्य / जिला	घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी)		राज्य में स्थान 2001
		2011	2001	
0	राजस्थान	201	165	0
1.	जयपुर	598	471	1
2.	भरतपुर	503	415	2
3.	दौसा	476	384	3
4.	अलवर	438	357	4
5.	बांसवाड़ा	399	315	7
6	धौलपुर	398	324	5
7.	कोटा	374	301	8
8.	डूंगरपुर	368	294	10
9.	झुंझूनूं	361	323	6
10.	सीकर	346	296	9
11.	अजमेर	305	257	11
12.	राजसमंद	302	256	12
13.	सवाईमाधोपुर	297	248	13
14.	करौली	264	219	14
15.	उदयपुर	242	196	15
16.	भीलवाड़ा	230	193	16
17.	झालावाड़	227	190	17
18	प्रतापगढ़	211	172	18
19.	सिरोही	202	166	22
20.	टोंक	198	168	19
21.	चित्तौड़गढ़	193	166	21
22.	बूंदी	193	167	20
23.	नागौर	187	157	25
24.	हनुमानगढ़	184	157	24
25.	गंगानगर	179	163	23
26.	बारां	175	146	27
27.	जालौर	172	136	28
28.	पाली	165	147	26
29.	जोधपुर	161	126	29
30.	चूरू	148	123	30
31.	बाड़मेर	92	69	31
32.	बीकानेर	78	63	32
33.	जैसलमेर	17	13	33

तालिका 12.5 : राज्य के जिलों में 2001 व 2011 जनसंख्या घनत्व व उनका राज्य में स्थान

राजस्थान के जिलों में जनसंख्या घनत्व के सम्बन्ध में भारी असमानता है। 2011 में राजस्थान का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व 598 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. जयपुर जिले का व सबसे न्यूनतम जनसंख्या घनत्व जैसलमेर जिले का 17

राजस्थान का
जनसंख्या घनत्व 2011

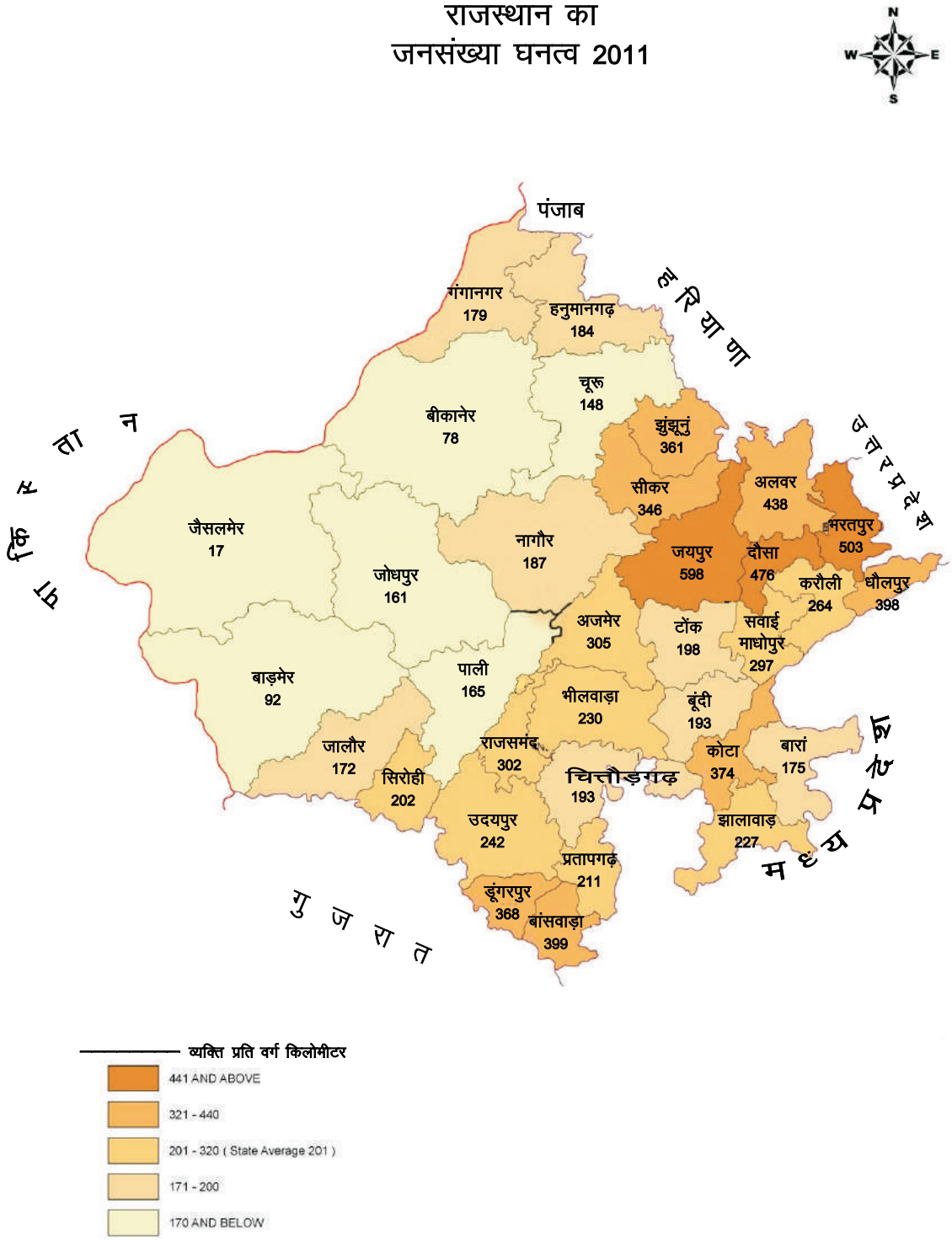

व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।

राजस्थान के जनसंख्या घनत्व में उत्तरोत्तर वृद्धि के बावजूद भी भारत के जनसंख्या घनत्व से कम है। तालिका राजस्थान के जिलों के जनसंख्या घनत्व को अवरोही क्रम (अधिक से कम की ओर) प्रदर्शित करती है।

असम एवं अधिकतर प्रायद्वीपीय राज्यों का जनसंख्या घनत्व मध्यम है। पहाड़ी, कटे–छटे एवं पथरीले भू–भाग, मध्यम से कम वर्षा, छिछली एवं कम उपजाऊ मिट्टी इन राज्यों के जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करती है।

उत्तरी मैदानी भाग एवं दक्षिण में केरल का जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है क्योंकि यहाँ समतल मैदान एवं उपजाऊ मिट्टी पाई जाती है तथा पर्याप्त मात्रा में वर्षा होती है।

जनसंख्या समस्या –

भारत की जनसंख्या बहुत अधिक है इस कारण जनसंख्या में प्रतिवर्ष होने वाली वृद्धि भी बहुत अधिक है जनसंख्या में अधिक वृद्धि देश की आर्थिक संवृद्धि में बाधक है बहुत अधिक जनसंख्या के कारण जीवन की गुणवत्ता पर भी प्रभाव पड़ता है अधिक जनसंख्या वृद्धि के कारण भोजन, कपड़ा, आवास, शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी मूल आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु अधिक संसाधनों का उपयोग करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त बेरोजगारी, गरीबी इत्यादि समस्याएँ भी लगातार बढ़ती जाती हैं व अन्य भौतिक सुख सुविधाओं जैसे पीने के पानी, बिजली, यातायात, आवास आदि की समस्याएँ उत्पन्न होती हैं।

भारत की जनसंख्या में मृत्यु दर में तेजी से गिरावट भी एक अच्छी विशेषता रही है।

परन्तु जन्म दर में धीमी गिरावट जनसंख्या समस्या का प्रमुख कारण है। अतः जन्म दर में कमी करके जनसंख्या समस्या का समाधान किया जा सकता है।

साक्षरता दर :–

साक्षरता किसी जनसंख्या का बहुत ही महत्वपूर्ण गुण है। स्पष्टतः केवल एक शिक्षित और जागरुक नागरिक ही बुद्धिमतापूर्ण निर्णय ले सकता है तथा बोध एवं विकास के कार्य कर सकता है। साक्षरता स्तर में कमी आर्थिक प्रगति में एक गंभीर बाधा है।

2011 की जनगणना के अनुसार एक व्यक्ति जिसकी आयु 7 वर्ष या उससे अधिक है जो किसी भाषा को समझकर लिख या पढ़ सकता है उसे साक्षर की श्रेणी में रखा जाता है। भारत की साक्षरता में धीरे–धीरे सुधार हो रहा है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश की साक्षरता दर 74.04 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर 82.14 प्रतिशत व महिलाओं की 65.46 प्रतिशत है। 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक साक्षर राज्य केरल है जिसकी साक्षरता दर 93.91 प्रतिशत है तथा सबसे कम साक्षरता दर बिहार की 63.82 प्रतिशत है।

राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार 3,89,70,500 व्यक्ति साक्षर है। राज्य की साक्षरता दर 67.07 प्रतिशत है जिसमें पुरुषों की साक्षरता दर 80.51 प्रतिशत व महिलाओं की 52.66 प्रतिशत है। राजस्थान में पिछले दशकों में साक्षरता दर में वृद्धि हुई है किन्तु अभी भी राजस्थान साक्षरता की दृष्टि से राष्ट्रीय औसत से पीछे है। राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्रों विशेषकर महिलाओं में साक्षरता का अभाव है। कोटा जिले की साक्षरता दर 77.48 प्रतिशत सर्वाधिक तथा सबसे कम साक्षरता दर जालोर जिले की 55.58 प्रतिशत है।

राज्य में साक्षरता दर की वृद्धि हेतु चलाए गये कई कार्यक्रमों जैसे साक्षरता अभियान, प्रौढ़ शिक्षा, सतत् साक्षरता कार्यक्रम, बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान एवं प्रोत्साहन, निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा इत्यादि के कारण संभव हुई है, परन्तु आज भी महिला साक्षरता दर पुरुष साक्षरता दर से बहुत कम है। अब बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न योजनाएँ चलाई जा रही हैं। जिनमें प्रमुख कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय ग्रामीण बालिकाओं को ट्रांसपोर्ट वाउचर, गार्गी पुरस्कार, आपकी बेटी योजना, देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण व छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण योजना व अन्य बालिका प्रोत्साहन योजना प्रमुख है।

लिंगानुपात :–

लिंगानुपात किसी क्षेत्र विशेष यथा देश, राज्य या स्थान के पुरुष व स्त्री की संख्या के अनुपात को लिंगानुपात कहते हैं। किसी भौगोलिक क्षेत्र में प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को इसका मानक माना जाता है अर्थात प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या को लिंगानुपात कहा जाता है।

यह जानकारी किसी दिये गये समय में समाज में पुरुषों व महिलाओं के बीच समानता की सीमा मापने के लिये एक महत्वपूर्ण सामाजिक सूचक है। देश में लिंगानुपात प्रायः महिलाओं के पक्ष में नहीं होता है। सन् 2011 की जनगणना के

अनुसार हमारे देश का लिंगानुपात 940 है अर्थात् 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 940 ही है। केरल राज्य का लिंगानुपात 1084 सबसे अधिक व हरियाणा का लिंगानुपात में सबसे पिछड़ा राज्य है। यहाँ लिंगानुपात 877 है।

2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान का लिंगानुपात 926 जो कि 2001 के लिंगानुपात 921 की तुलना में बढ़ा है। 2011 का लिंगानुपात 1901 से अब तक की सभी जनगणनाओं में सबसे अधिक है जो राज्य की सामाजिक प्रगति का सूचक है।

ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में लिंगानुपात अधिक रहा है। लिंगानुपात पुरुषों के पक्ष में रहने का प्रमुख कारण भ्रूण हत्या मानी जाती है। सरकार द्वारा भ्रूण हत्या रोकने और लड़कियों के जन्म और उनके जीवित रहने की स्थिति में सुधार लाने के विशेष प्रयास किये जा रहे हैं तथापि इस समस्या का समाधान जनजागृति और शिक्षित समाज से ही संभव हो सकेगा।

राजस्थान में डूंगरपुर व राजसमन्द जिले ऐसे हैं जहाँ प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या राज्य में सबसे अधिक है। डूंगरपुर में 990 तथा राजसमन्द में 988 महिलायें प्रति हजार पुरुष पर है। राज्य में सबसे कम लिंगानुपात धौलपुर जिले का है जहाँ प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 845 है।

नगरीकरण –

नगरीकरण से तात्पर्य जनसंख्या का ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्र की ओर पलायन करना है। शहरी क्षेत्रों के भौतिक विस्तार जैसे क्षेत्रफल, जनसंख्या इत्यादि का विस्तार भी शहरीकरण कहलाता है।

भारत में शहरीकरण स्वतंत्रता के बाद होने वाली वह घटना है जिसमें भारत में नगरों की संख्या और आकार में तेजी से वृद्धि हुई है और साथ ही कुल जनसंख्या में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत भी बढ़ा है। एक ओर जहाँ नगरीकरण (शहरीकरण) आधुनिक औद्योगीकरण व सामयिक प्रणाली का द्योतक है वहीं दूसरी ओर यह पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के लिए घातक है।

गत वर्षों की जनगणनाओं में नगर पालिका नगर परिषद, नगर निगम, छावनी बोर्ड, अधिसूचित शहरी क्षेत्र (नोटिफाइड एरिया) आदि सभी को शहरी क्षेत्र की श्रेणी में रखा गया है।

भारत की ग्रामीण जनसंख्या शहरी जनसंख्या से अधिक है भारत की जनसंख्या का तीन चौथाई से थोड़ा कम भाग गाँवों में निवास करता है। यह इस बात को प्रदर्शित करता है कि हमारे देश में कृषि मुख्य व्यवसाय है यद्यपि ग्रामीण जनसंख्या धीरे–धीरे घट रही है तथा शहरी जनसंख्या धीरे–धीरे बढ़ रही है इसके मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों से जनसंख्या का रोजगार, शिक्षा एवं अन्य शहरी सुविधाओं हेतु शहर की ओर पलायन करना है।

भारत की 121 करोड़ में से 83.3 करोड़ जनसंख्या ग्रामीण व 37.7 करोड़ जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में निवास करती है अर्थात जनसंख्या का लगभग 70 प्रतिशत भाग ग्रामीण है। तालिका 12.6 विभिन्न दशकों में ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या को प्रदर्शित करती है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि प्रत्येक दशक में शहरी जनसंख्या का प्रतिशत बढ़ रहा है जो जनसंख्या का शहरों की ओर पलायन को दर्शाता है।

वर्ष	कुल जनसंख्या का प्रतिशत	
	ग्रामीण	शहरी
1901	89.2	10.8
1911	89.7	10.3
1921	88.8	11.2
1931	86.0	12
1941	86.1	13.9
1951	82.7	17.3
1961	82	18
1971	80.1	19.9
1981	76.7	23.3
1991	74.3	25.7
2001	72.2	27.8
2011	70	30

तालिका 12.6 : भारत–ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या का प्रतिशत

राजस्थान की कुल जनसंख्या का 75.13 प्रतिशत भाग ग्रामीण एवं शेष 24.87 प्रतिशत भाग शहरी क्षेत्र में निवास करता है। हालांकि शहरीकरण की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है परन्तु आज भी राजस्थान की 3/4 जन संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है तथा कृषि उनका प्रमुख व्यवसाय है।

जनसंख्या नीति –

राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चे को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करके, शिशु मृत्यु दर को (प्रति 1000 में) 30 से कम करके, व्यापक स्तर पर टीकारोधी बीमारियों से बच्चों को छुटकारा दिलाने, लड़कियों की शादी की उम्र को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने तथा परिवार नियोजन को एक जन केन्द्रीय कार्यक्रम बनाने के लिए नीतिगत ढाँचा प्रदान करती है।

परिवारों के आकार को सीमित रख कर एक व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुधारा जा सकता है। इस तथ्य को ध्यान में रखकर भारत सरकार ने 1952 में एक व्यापक परिवार नियोजन कार्यक्रम को प्रारम्भ किया। परिवार कल्याण कार्यक्रम जिम्मेदार तथा सुनियोजित पितृत्व को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत हैं। राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000 कई वर्षों के नियोजित प्रयासों का परिणाम है।

राजस्थान की जनसंख्या नीति –

राजस्थान में जनसंख्या वृद्धि का कारण राज्य की विशेष भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि है। यहाँ का दो तिहाई भाग मरू प्रदेश है और एक बड़ा भाग पर्वतीय एवं जनजाति क्षेत्र है। महिला साक्षरता 52.66 प्रतिशत ही है तथा सामाजिक चेतना शोचनीय स्तर पर है। महिलाएँ आज भी संस्थागत प्रसव की अपेक्षा दाई द्वारा प्रसव कराने को ही अधिक महत्व देती है। बच्चे के स्वस्थ एवं जीवित रहने की कम सम्भावना के कारण अधिक बच्चों का जन्म, कम आयु में विवाह तथा लड़का पैदा करने की चाह के कारण प्रदेश की जन्म दर तथा शिशु मृत्यु दर अधिक रही है।

जनसंख्या वृद्धि की चुनौती का सामना करने के लिए राजस्थान में विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं के माध्यम से जनसंख्या स्थायित्व के प्रयास किये जा रहे हैं योग्य दम्पत्तियों को उनकी इच्छानुसार परिवार कल्याण की आवश्यक सेवायें उपलब्ध करवाकर परिवार सीमित करने हेतु शिक्षित किया जा रहा है। नियमित टीकाकरण अभियान (मातृ शिशु स्वास्थ्य पोषण दिवस व मुख्यमंत्री पंचामृत अभियान) चलाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को पोषण सेवाएं सुलभ करवाई जा रही है, ताकि शिशु एवं मातृ मृत्यु दर को कम किया जा सके।

जन मंगल योजना के माध्यम से गाँव–गाँव में जन मंगल जोड़ परिवार कल्याण के अंतर्गत साधन उपलब्ध करवा रहे हैं। परिवार कल्याण कार्यक्रम में महिलाओं की अहम भूमिका है। अतः महिला स्वास्थ्य केन्द्रों को सुदृढ़ करने के प्रावधान किये गये हैं ताकि विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को विभिन्न जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी हो सके तथा वे इससे लाभान्वित हो सके। विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत सरकार द्वारा दूर दराज के क्षेत्रों में चिकित्सा एवं परिवार कल्याण की सेवाओं को सुलभ करवाया जा रहा है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

1. मानव संसाधन वह अवधारणा है जो जनसंख्या को अर्थ व्यवस्था पर दायित्व से अधिक परिसंपत्ति के रूप में देखती है।
2. किसी निश्चित स्थान पर एक निश्चित समय में रहने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या उस स्थान की जनसंख्या कहलाती है।
3. भारत जनसंख्या की दृष्टि से चीन के पश्चात विश्व में दूसरे स्थान पर है।
4. एक निश्चित समय अन्तराल में जनसंख्या की अधिकारिक गणना जनगणना कहलाती है तथा यह प्रत्येक दस वर्षों के अन्तराल में होती है।
5. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या 1 अरब 21 करोड़, 1 लाख व 3 हजार 422 थी।
6. 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य उत्तर प्रदेश है तथा जनसंख्या की दृष्टि से राजस्थान का देश में आठवां स्थान है।
7. राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला जयपुर व सबसे कम जनसंख्या वाला जिला जैसलमेर है।
8. किसी स्थान की 10 वर्षों के भीतर जनसंख्या वृद्धि दर दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर कहलाती है। यह धनात्मक या ऋणात्मक हो सकती है।
9. 2011 की जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 2001–2011 के दशक में भारत की जनसंख्या वृद्धिदर 17.64 प्रतिशत है।
10. जनसंख्या में वृद्धि या कमी मुख्यतः जन्म व मृत्यु दर के अन्तर के कारण होती है।
11. प्रति इकाई क्षेत्रफल (प्रति वर्ग कि.मी.) के रहने वाले व्यक्तियों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते हैं।

12. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की साक्षरता 74. 04 प्रतिशत है।

13. केरल भारत का सर्वाधिक साक्षर राज्य है जिसकी साक्षरता दर 2011 की जनगणना के अनुसार 93.91 प्रतिशत थी।

14. भारत में साक्षरता दर बढ़ रही है। पुरुष साक्षरता दर स्त्रियों की साक्षरता दर से अधिक है।

15. प्रति एक हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या लिंगानुपात कहलाती है। 2011 की जनगणना में भारत में लिंगानुपात 940 तथा राजस्थान में लिंगानुपात 926 है।

16. बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में परिवार नियोजन कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका है। योजनाओं के माध्यम से सरकार दूर दराज के क्षेत्र में चिकित्सा एवं परिवार कल्याण सेवाएं उपलब्ध करवा रही है।

17. भारत की जनसंख्या का तीन चौथाई से थोड़ा कम भाग गाँवों में निवास करता है।

अभ्यास प्रश्न

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. भारत में सर्वाधिक जनसंख्या किस राज्य की है ?
2. राज्यों के क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान का देश में कौनसा स्थान है?
3. सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य कौन सा है?
4. राजस्थान में 2011 की जनगणना के अनुसार लिंगानुपात कितना है?
5. भारत का जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में कौनसा स्थान है?
6. भारत में जनगणना कितने वर्षों के अन्तराल में होती है?
7. किसी देश या स्थान की जनसंख्या में वृद्धि या कमी के प्रमुख कारण क्या हैं?
8. राजस्थान में सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला कौन सा है?
9. जनसंख्या वृद्धि या परिवर्तन के तीन प्रमुख घटक कौन–कौन से हैं?
10. लिंगानुपात क्या है?
11. 2011 की जनगणना के अनुसार देश की साक्षरता दर कितनी है?
12. परिवारों के आकार को सीमित रखने हेतु सरकार ने कौन सा कार्यक्रम प्रारम्भ किया?
13. राजस्थान का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला कौनसा है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न –

1. साक्षरता दर किसे कहते हैं?
2. संसाधन किसे कहते हैं?
3. जनसंख्या वृद्धि दर क्या है तथा भारत की जनसंख्या वृद्धि दर किस दशक से कम होने लगी और क्यों?
4. किसी देश की जनगणना उस देश की जनसंख्या से सम्बन्धित कौन–कौन सी प्रमुख जानकारियाँ प्रदान करती है।
5. जनसंख्या वृद्धि दर को नियंत्रित करने के उपाय लिखिए।
6. ग्रामीण से शहरी क्षेत्र की ओर जनसंख्या के प्रवास के प्रमुख कारण लिखिए।

निबन्धात्मक प्रश्न –

1. जनसंख्या नीति की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन करो।
2. तीव्र जनसंख्या वृद्धि के कारण तथा उससे उत्पन्न होने वाली समस्याओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।
3. नगरीकरण क्या है? इसके लाभ व उत्पन्न होने वाली समस्या का वर्णन करो।
4. जनसंख्या नीति क्या है ?राजस्थान की जनसंख्या नीति का वर्णन करो।